

# डॉ. क्रेग कीनर, मैथ्यू व्याख्यान 5, मैथ्यू 2-3

© 2024 क्रेग कीनर और टेड हिल्डेब्रांट

यह मैथ्यू की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. क्रेग कीनर हैं। यह सत्र 5 है, मैथ्यू 2-3।

मैथ्यू 2 से शुरू करते हुए, हमने परिचय में मैथ्यू 1 को समाप्त कर दिया है और अब मैथ्यू 2 की ओर बढ़ रहे हैं।

कुछ पात्र मैथ्यू अध्याय एक, जीसस, मैरी और जोसेफ से लिए गए हैं। लेकिन हमारे पास पात्रों का एक नया सेट, तीन पात्र या पात्रों का समूह भी है। हमारे पास मागी, फ़ारसी ज्योतिषी हैं।

हमारे पास यहूदियों का राजा हेरोदेस है, भले ही वह एक एडोमाइट है और तकनीकी रूप से उसे राजा बनने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए थी। लेकिन चूंकि एदोमियों को यहूदी धर्म में परिवर्तित होने के लिए मजबूर किया गया था, मुझे लगता है कि इसकी अनुमति दी गई थी। और साथ ही, उनके पास राजनीतिक शक्ति भी थी जिसके बारे में हम जल्द ही बात करेंगे।

और शास्त्री और कुलीन पुजारी जो उस समय के पादरी और मदरसा प्रोफेसर थे, जैसा कि हमने पहले उल्लेख किया था। खैर, मैगी बार-बार पूर्वी और पहले के बेबीलोनियन और इस अवधि के फ़ारसी बुद्धिमान पुरुषों की एक जाति के रूप में दिखाई देते हैं। परंपरागत रूप से, वे बहुदेववादी थे।

किसी समय, वे पारसी बन गए। हम नहीं जानते कि इस बिंदु पर यह कौन सा था। लेकिन डैनियल के दुश्मनों के लिए मैगी शब्द डैनियल के ग्रीक अनुवाद में दिखाई देता है।

तो, ये वे लोग नहीं हैं जिनसे आप स्वचालित रूप से उम्मीद करेंगे कि जब आप पहली बार कहानी सुनेंगे तो ये अच्छे लोग होंगे या यहूदी लोग आम तौर पर इनसे सकारात्मक होने की उम्मीद नहीं करेंगे, खासकर क्योंकि मागोई, मैगी शब्द का इस्तेमाल दुष्ट जादूगरों के लिए भी किया जाता था। जिन्हें यूनानी जगत में बहुत बुरा माना जाता था। यह भी ध्यान दें कि ये जादूगर चीज़ों के बारे में कहाँ से पता लगाते हैं। वे स्वर्ग में चिन्हों वाली चीज़ों के बारे में पता लगाते हैं।

खैर, एक विशेष खगोलीय पिंड, मुझे लगता है कि वह बृहस्पति था, जो राजसत्ता का प्रतीक था। दूसरा यहूदिया के पक्ष में खड़ा था। और इसलिए, जब ये संरेखित होंगे, तो यह यहूदिया में एक शक्तिशाली शासक के जन्म का संकेत देगा।

और वास्तव में इस बारे में कई अलग-अलग सिद्धांत हैं कि उन्होंने जो तारा देखा वह वास्तव में क्या था। लेकिन खगोलविदों द्वारा सुझाई गई कई संभावनाओं में से सबसे संभावित संभावना 4 ईसा पूर्व में हेरोदेस की मृत्यु से कुछ साल पहले की है, जो हमारी जानकारी के अनुरूप है। यीशु का जन्म संभवतः एक वर्ष में नहीं हुआ था।

उनका जन्म संभवतः छह या शायद सात ईसा पूर्व के आसपास हुआ था। अब, जाहिरा तौर पर, इतिहास की इस एक घटना के लिए, भगवान ने उन लोगों से एक विशेष तरीके से संवाद करना चुना जो सितारों को देख रहे थे। और कभी-कभी भगवान ऐसी संस्कृति में कुछ रखते हैं जहां आम तौर पर इसकी मनाही होती है, फिर भी भगवान इसका उपयोग हमारे लिए लोगों तक खुशखबरी पहुंचाने के एक तरीके के रूप में करेंगे।

हम कुछ गलत नहीं कर रहे हैं, लेकिन हो सकता है कि उन्होंने कुछ गलत किया हो। लेकिन क्या हेरोदेस ज्योतिषियों की बात मानेगा? खैर, ज्योतिष को उनके समय का विज्ञान माना जाता था। और यहां तक कि इस अवधि तक यहूदी लोगों ने भी सोचा था कि, ज्योतिष शास्त्र अन्यजातियों के लिए भविष्य की भविष्यवाणी कर सकता है।

इसका राष्ट्रों पर कोई नियंत्रण नहीं है और यह केवल पूर्वानुमान है। सितारे वास्तव में भविष्य को नियंत्रित नहीं करते हैं। शासक विशेष रूप से धूमकेतुओं से डरते थे क्योंकि ऐसा माना जाता था कि धूमकेतु शासक की मृत्यु का पूर्वाभास देते थे।

इसमें कहा गया है कि जब लोगों ने नीरो को धूमकेतु की सूचना दी, तो उसने कुछ अमीरों को मार डाला और कहा, ओह, धूमकेतु मेरी नहीं बल्कि उनकी मौत का संकेत दे रहा था। यह भी कहा जाता है कि वेस्पासियन जब मृत्यु शय्या पर थे, तब उन्हें एक लंबे बालों वाले धूमकेतु के बारे में बताया गया था। इसे ही वे लंबी पूंछ वाला धूमकेतु कहते थे।

और उन्होंने कहा कि यह निश्चित रूप से पार्थियन सम्राट की मृत्यु का पूर्वाभास है क्योंकि पार्थियन अपने लंबे बालों के लिए जाने जाते थे। और फिर वेस्पासियन की मृत्यु हो गई। लेकिन शासकों को अक्सर ज्योतिषियों से समस्या होती थी क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि लोग उनकी मृत्यु की भविष्यवाणी करें।

यहूदी लोगों ने ज्योतिष के इन मूल्यों में से कुछ को आत्मसात कर लिया ताकि छठी शताब्दी तक गलील में, आपके पास एक आराधनालय हो सके, जिसका फर्श मध्य में सूर्य देवता हेलिओस के साथ राशि चक्र की एक पच्चीकारी है। यह ऐसा कुछ नहीं था जिसे बाद में रब्बियों ने मंजूरी दी होगी, लेकिन यह वह तरीका था जिससे कुछ यहूदी लोग अपने विश्वास का अभ्यास कर रहे थे। पहली शताब्दी में भी, हमारे पास इस अवधि में जोसेफस और फिलो के लेखन हैं, जो नक्षत्रों के प्रकाश में तम्बू या मंदिर में विभिन्न चीजों का वर्णन करते हैं।

तो, ऐसे लोग थे जो इन दिनों इस पर ध्यान दे रहे थे। और यह आश्चर्य की बात नहीं है कि हेरोदेस ने ऐसा किया। बेथलेहम यरूशलेम से केवल छह मील दूर था।

यह हेरोदेस के महल, हेरोडियम के दृश्य के भीतर था। तो, हेरोदेस वास्तव में हेरोडियम के महल में बैठा हो सकता था और बच्चों का नरसंहार करने के लिए सेना भेज सकता था। इस आकार का कारवां यू ही गायब नहीं हो जाएगा।

आम तौर पर, यह आ जाएगा। एक बार जब यह यहूदिया में आ गया, तो यह यरूशलेम आएगा और फिर दक्षिण की ओर बेथलेहम का रास्ता पकड़ लेगा। जब कारवां उत्तर की मुख्य सड़क पर

जाने के लिए पूर्व की ओर वापस जाने के लिए तैयार हो रहा था, तो वे स्वाभाविक रूप से उत्तर की ओर जाने वाली सड़क को छह मील वापस यरूशलेम ले जाएंगे।

हेरोदेस को आशा है कि वे यरूशलेम से होकर वापस आयेंगे। और हेरोदेस जानता है कि यदि वे यरूशलेम वापस आते हैं, तो उन्हें रुकना और उससे बात करना बाध्य है क्योंकि उसने उन्हें ऐसा करने के लिए बाध्य किया है। उन्हें इस बात का संदेह नहीं है कि वे वापस जाने के लिए एक चक्कर लगाने और दक्षिणी सड़क लेने और गोल चक्कर लगाने का फैसला कर सकते हैं।

अब, मैं आपको हेरोदेस महान के बारे में कुछ बातें बताने जा रहा हूँ ताकि आप समझ सकें कि यहां उसका व्यवहार चरित्र में है। हमारे पास इस काल के यहूदी इतिहासकार जोसेफस द्वारा दर्ज किए गए उसके सभी अत्याचार नहीं हैं, लेकिन हमारे पास उनमें से काफी कुछ दर्ज हैं। जब रोम का विस्तार शुरू हुआ, तो कुछ यहूदी गुटों ने अन्य यहूदी गुटों के खिलाफ रोम की मदद मांगी।

उन्होंने कहा, तुम हमारी सहायता करो, हमें यहूदिया पर अधिकार कर दो, तब हम तुम्हारे साम्राज्य में सम्मिलित हो जायेंगे। आखिरकार, रोम ने उन्हें जीतने में मदद की और उन्होंने रोम को सत्ता हासिल करने में मदद की। और रोम ने हेरोदेस महान को सत्ता में लाने में मदद की।

हेरोदेस ने यह सुनिश्चित किया कि यरूशलेम का स्थानीय अभिजात वर्ग, उसका सैन्हेड्रिन, जो कि एक परिषद के लिए एक अच्छा ग्रीक शब्द था, जैसे कि सीनेट, एक नगर परिषद, या ऐसा कुछ, ने यह सुनिश्चित किया कि सैन्हेड्रिन उसका समर्थन करे। उसने मौजूदा अमीरों को मार डाला और अपने राजनीतिक समर्थकों को सत्ता में बिठाया। स्मार्ट राजनीतिक कौशल के लिए यह कैसा है? वैसे, यह कोई ऐसी बात नहीं है कि आपको चर्च में अशांति फैलाने वालों के साथ चर्च में अभ्यास करना चाहिए।

मैं सिर्फ चिढ़ा रहा हूँ, लेकिन वह वहां एक बहुत ही खतरनाक राजनेता है। उनकी राजनीतिक प्रवृत्ति उत्कृष्ट थी। दुर्भाग्य से, वह एंटनी का दोस्त था, लेकिन वह क्लियोपेट्रा का दुश्मन था, जो एंटनी की प्रेमिका थी।

यह आमतौर पर बहुत अच्छी तरह से काम नहीं करता है, लेकिन एंटनी की मृत्यु होने तक वह एंटनी के साथ दोस्त बना रहा। सीज़र के कुछ समर्थकों ने एंटनी और क्लियोपेट्रा की हत्या कर दी। और इसलिए, जब ऑक्टवियन सीज़र, जिसे बाद में ऑगस्टस के नाम से भी जाना गया, जब ऑगस्टस नया शासक बना, तो हेरोदेस स्वेच्छा से उसका मित्र बनने के लिए तैयार हो गया।

उसने कहा, तुम जानते हो, मैं तुम्हारे शत्रु का मित्र था, परन्तु तुम देखते हो कि मैं कितना वफ़ादार मित्र हूँ, क्योंकि मैं उसके मरने तक उसके साथ मित्रता रखता रहा। तो, आप देखिए कि मैं एक वफ़ादार दोस्त हो सकता हूँ और मैं अब आपका दोस्त बनना चाहता हूँ। और सीज़र ने वास्तव में कहा कि यह एक अच्छा विचार है।

आप मेरे भी दोस्त बन सकते हैं क्योंकि मैं जानता हूँ कि आप एक वफादार दोस्त होंगे। हेरोदेस एक प्रसिद्ध बिल्डर बन गया। उन्होंने अन्य शहरों में अन्य देवताओं के लिए मंदिर समर्पित किए, विशेषकर सीज़र के सम्मान में मंदिर।

लेकिन यरूशलेम में, उन्होंने विशेष रूप से प्राचीन दुनिया के सबसे महान मंदिर, एक सच्चे ईश्वर के मंदिर की शुरुआत की। क्योंकि यहूदी लोगों के पास केवल एक ही मंदिर था, उनके पास केवल एक ही भगवान और एक ही मंदिर था, उन्होंने अपने सभी संसाधन इस मंदिर में लगा दिए। सेबस्ट में, जो प्राचीन सामरिया के खंडहरों पर था, उसने सीज़र के सम्मान में एक मंदिर बनवाया।

यह संभवतः तब बेहतर दिखता था। यरूशलेम में, उसने एक सच्चे ईश्वर का मंदिर बनवाया। रोमन दुनिया भर से और पूर्व में पार्थिया और फारस के यहूदी लोगों ने भी इस मंदिर का सम्मान किया।

लेकिन उनकी कुछ सजावटें फरीसियों के लिए कुछ ज़्यादा ही गैर-यहूदी थीं। तो, आपके पास कुछ फ़रीसी शिक्षक थे जिनके पास लगभग 50 छात्र थे और वे अपने छात्रों को व्याख्यान दे रहे थे कि कैसे हेरोदेस के मंदिर में यह सुनहरा ईगल एक समस्या थी। यह बहुत रोमन था।

तो, उन्होंने जो किया, क्या उन्होंने इस सुनहरे बाज़ को उतारने की कोशिश की। इसलिए, हेरोदेस ने उन्हें मार डाला। हेरोदेस अपनी कई शादियों में से कुछ को लेकर राजनीतिक भी था।

हेरोदेस ने मरियम्ने से विवाह किया, जो एक मैकाबीन राजकुमारी थी। वह उसे लोगों के साथ मान्य करेगी। हेरोदेस एडोमाइट वंश का था।

यह बहुत अच्छा नहीं हुआ। लेकिन मरियम्ने उनकी पसंदीदा पत्नी थीं। उनकी कई पत्नियाँ थीं।

लेकिन दुर्भाग्यवश, किसी ने उन पर व्यभिचार का झूठा आरोप लगाया। और इसलिए एक बार राजनीति की परवाह न करते हुए, हेरोदेस ने उसका गला घोटकर हत्या कर दी। बाद में उसे उसकी बेगुनाही का पता चला और उसे बहुत बुरा लगा।

इसलिए, उसने अपने महल में एक मीनार का नाम उसके नाम पर रखा। उनके महल में तीन मीनारें थीं, हिप्पिकस, फेसियल और मरियम्ने। एक का नाम उसके प्रिय मृत मित्र के नाम पर, एक का नाम उसके प्रिय मृत भाई के नाम पर, और एक का नाम उसकी प्रिय मृत पत्नी के नाम पर, जिसे उसने झूठे आरोप में मार डाला था।

हेरोदेस को भी प्रतिस्पर्धा पसंद नहीं थी। मरियम्ने का छोटा भाई महायाजक था और वह बहुत लोकप्रिय हो रहा था, बहुत लोकप्रिय। और हेरोदेस को प्रतिस्पर्धा पसंद नहीं थी।

अतः यह राजनीतिक दृष्टि से उपयोगी नहीं था। तो, युवक के साथ एक तालाब में डूबने की दुर्घटना हुई, पुरातत्व से पता चलता है कि तालाब केवल तीन फीट गहरा था, केवल एक मीटर

गहरा था। हो सकता है कि महायाजक बहुत छोटा था, लेकिन मुझे संदेह है कि इसके बजाय, यह बेईमानी का मामला था।

हेरोदेस अत्यधिक ईर्ष्यालु था। उसके अलावा कोई भी राजा नहीं हो सकता था। उसने सुना कि उसके दो बेटे उसके खिलाफ साजिश रच रहे थे।

इसलिए, उसने उन्हें मार डाला लेकिन बाद में पता चला कि वे निर्दोष थे। उन्हें फंसाया गया. बाद में, एक और बेटा वास्तव में उसके खिलाफ साजिश रच रहा था।

इसलिए, हेरोदेस ने उसे भी मार डाला, भले ही हेरोदेस इस समय मृत्यु शय्या पर था। सम्राट ऑगस्टस ने कथित तौर पर कहा था, और यह सच्ची कहानी नहीं हो सकती है, लेकिन यह हेरोदेस के बारे में इस बात को स्पष्ट करती है कि हेरोदेस के बेटों में से एक होने की तुलना में उसके सूअरों में से एक होना बेहतर है। हेरोदेस को अपनी प्रतिष्ठा की बहुत परवाह थी।

और मुझे आशा है कि आप मेरी तस्वीरों पर ध्यान नहीं देंगे, लेकिन मुझे बस, जो भी तस्वीर मुफ्त थी, उसकी ज़रूरत थी। इसलिए, मैंने एक अंतिम संस्कार की तस्वीर ली। वैसे भी, हेरोदेस को अपनी प्रतिष्ठा की बहुत परवाह थी।

वह चाहता था कि जब उसकी मृत्यु हो तो लोग शोक मनायें। इसलिए, उसने अपनी भाभी के पास यह आदेश छोड़ दिया कि जब वह मर जाए, तो उसने जिन कुछ रईसों को पकड़ लिया था, उन्हें फाँसी दे दी जाए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि लोग उसकी मृत्यु के दिन शोक मनाएँ। परन्तु जब वह मर गया, तो उसने वास्तव में उन्हें मुक्त कर दिया और भूमि में आनन्द मनाया गया।

नीतिवचन की पुस्तक में इसके बारे में एक कहावत है। इसलिए जब कोई दुष्ट शासक मरता है तो आनन्द मनाया जाता है। क्या यह आश्चर्य की बात है कि हेरोदेस ने बेथलहम के नर शिशुओं को मार डाला होगा? अब, यदि हम पाठ को देखते हैं, तो हम कुछ देखते हैं, न केवल इस पृष्ठभूमि को, बल्कि हम वास्तव में पाठ को भी देखते हैं।

हम पुराने नियम के आलोक में पात्रों का उलटाव देखते हैं। भगवान अक्सर हमें आश्चर्यचकित करते हैं क्योंकि भविष्यवक्ताओं के रूप में ज्योतिषियों के लिए बाइबिल की सजा मौत थी। परन्तु ये यहूदियों के राजा की उपासना करने आए थे।

खैर, पुराने नियम का राजा जिसने बेथलहम के नर बच्चों को मार डाला, जिसने इस्राएल के नर बच्चों को मार डाला, वह फिरौन था। और साथ ही, यहूदी लोग एंटीओकस IV एपिफेन्स के बारे में सोच सकते हैं, जिसने बहुत सारे बच्चों को मार डाला था। जब यहूदी माताओं ने अपने बच्चों का खतना करने पर ज़ोर दिया, तो उसने बच्चों को मार डाला, उनकी माँ के गले में लटका दिया, और उन्हें यरूशलेम की दीवारों से फेंक दिया।

कुछ दुष्ट शासकों के बारे में बात करें। ये कुछ दुष्ट शासक थे। इसलिए, जब यहूदी लोग बुतपरस्तों के बारे में सोचते थे, तो वे यह भी सोच सकते थे कि कैसे गैर-यहूदी बच्चों को छोड़ देते

थे या कभी-कभी बच्चों को मार देते थे, जो कि कुछ ऐसी बात थी जिसे यहूदी लोग मानते थे कि यह बहुत बुरा था।

वे ऐसा कभी नहीं करेंगे. तो यहाँ आपके पास यहूदी लोगों का राजा है जो एक बुतपरस्त की तरह काम कर रहा है, एक बुतपरस्त राजा की तरह काम कर रहा है। मैगी के बिल्कुल विपरीत, जिन्हें बुतपरस्त माना जा सकता है, लेकिन वे यहूदियों के राजा की पूजा करने आए थे।

लेकिन कथा में जो लोग हमें सबसे अधिक डरा सकते हैं वे बाइबल शिक्षक हैं। क्योंकि पवित्रशास्त्र ने जादूगरों को बताया कि कहाँ जाना है। हो सकता है कि मैगी तारे का पीछा कर रहा हो, हो सकता है कि वह उनके आगे-आगे चल रहा हो।

यह वास्तव में कैसे काम करता है, इसके बारे में अलग-अलग राय हैं। अगर कोई कहानी होती या सिर्फ स्टार ने उन्हें बताया होता तो यह यहूदिया में होता। और इसलिए, वे यहूदिया पहुँचते हैं और उन्हें नहीं पता कि उसके बाद कहाँ जाना है।

लेकिन किसी भी मामले में, आप तारे को जिस भी तरह से देखें, तारा उन्हें कुछ सामान्य दिशा दे रहा था। लेकिन जब वे यरूशलेम पहुँचते हैं, वह स्थान जहाँ शाही महल है, जहाँ उन्हें उम्मीद थी कि राजा के रूप में बच्चे का जन्म होगा, तो हेरोदेस को अपने बुद्धिमान लोगों से परामर्श करना पड़ा। और वहाँ वह उस समय के बाइबल विशेषज्ञों, शास्त्रियों और मुख्य पुजारियों और पुरनियों से परामर्श करता है।

ओह, और वे बिल्कुल जानते थे। हाँ, इस राजा का जन्म होना है, मीका अध्याय पाँच, श्लोक दो। बेशक, छंद बाद में जोड़े गए हैं, लेकिन मीका अध्याय पांच और पद दो, वह बेथलहम में पैदा होने वाला है।

तो, मैगी अपने कारवां के साथ बेथलहम की ओर बढ़ते हैं। और हेरोदेस के बुद्धिमान लोग क्या करते हैं? जाहिर है, वे कुछ नहीं करते. अब, ऐतिहासिक रूप से, आप ध्यान रख सकते हैं, ये संभवतः हेरोदेस के राजनीतिक अनुचरों की संतानें हैं जिन्हें उसने तब सत्ता पर बिठाया था जब हेरोदेस पहली बार राजा के रूप में सत्ता में आया था।

लेकिन जब आप मैथ्यू के सुसमाचार में नैतिकता को देखते हैं, तो मेरा मतलब है, यहाँ जादूगर जाते हैं, लेकिन जो लोग बाइबल को सबसे अच्छे से जानते हैं, वे कुछ नहीं करते हैं। बाइबल को जानना ही वह सब कुछ नहीं है जो हमें करना है। हमें बाइबल का पालन करना होगा।

हमें इसे इतनी गंभीरता से लेना होगा कि हम जो सीखते हैं उस पर अमल करें। वे नहीं गये. और एक पीढ़ी के बाद, इन शास्त्रियों के उत्तराधिकारी और ये मुख्य पुजारी यीशु को मरवाना चाहते थे।

वह अब बच्चा नहीं था. और यीशु को हल्के में लेने और उसे रास्ते से हटाने के बीच की रेखा कभी-कभी पतली हो सकती है। हमें यीशु का अनुसरण करने की ज़रूरत है न कि केवल इसके बारे में बात करने की।

अब, जब पवित्र परिवार मिस्र जाता है और वे वहां बस जाते हैं, तो यह वास्तव में यहां की तस्वीर जैसा नहीं है क्योंकि पिरामिड दक्षिणी मिस्र में हैं, और यीशु और उनका परिवार उत्तरी मिस्र, डेल्टा क्षेत्र में गए होंगे। लेकिन अलेक्जेंड्रिया एक बहुत बड़ा शहर था, शायद रोमन साम्राज्य का दूसरा सबसे बड़ा शहर। और अलेक्जेंड्रिया में यूनानियों, अलेक्जेंड्रिया की स्थापना सिकंदर महान और उसके यूनानी अनुयायियों और मैसेडोनियाई अनुयायियों द्वारा की गई थी।

लोग स्वयं को यूनानी मानते थे। उन्होंने अलेक्जेंड्रिया शहर की स्थापना की और उन्होंने इसे मिस्र के निकट अलेक्जेंड्रिया के रूप में बताया, भले ही मिस्र सदियों पहले एक प्रतिष्ठित साम्राज्य था। इस काल में यूनानियों ने मिस्र को हेय दृष्टि से देखा।

और इसलिए, उन्होंने अलेक्जेंड्रिया को मिस्र के निकट बताया, भले ही वह वास्तव में मिस्र के डेल्टा क्षेत्र में ही था। शायद अलेक्जेंड्रिया का एक-चौथाई से एक-तिहाई हिस्सा यहूदी था और इसका एक चौथाई हिस्सा स्थानीय मिस्र था। और फिर जो यूनानी वहां बस गए, उन्होंने कहा, नहीं, हम ही एकमात्र नागरिक हैं।

आपमें से बाकी लोग अभी-अभी हमारे शहर में आये हैं। तुम विदेशी हो. तो, इस अवधि में वहां बहुत सारे यहूदी लोग थे।

असल में उन्हें दूसरी सदी की शुरुआत में नरसंहार का सामना करना पड़ा। लेकिन मिस्र लंबे समय से शरण का स्थान रहा है। यदि आप उत्पत्ति की पुस्तक में जोसेफ को याद करते हैं तो यह जोसेफ के समय में शरण का स्थान था।

लेकिन यहां हमारे पास निर्गमन के उलट जैसा कुछ है। निर्गमन 4:19 में मूसा के मामले को याद रखें, इसमें कहा गया था, जो लोग तुम्हारे प्राण की खोज में थे वे मर चुके हैं। अब आप मिस्र वापस जा सकते हैं।

खैर, यहां वे लोग हैं जो यहूदिया में यीशु के जीवन की तलाश में थे जो मर चुके हैं और वे मिस्र से वापस जाने में सक्षम हैं। तो, मिस्र शरण का स्थान बन जाता है और यरूशलेम खतरनाक स्थान बन जाता है। मिस्र में यीशु के बारे में यहूदी परंपराओं के साथ-साथ प्रारंभिक ईसाई परंपराएँ भी थीं।

लेकिन फिर भी, मैथ्यू अध्याय दो, श्लोक 13 से 18 तक, सताए गए बच्चे के बारे में बात करता है। यहूदी परंपरा यीशु के मिस्र में रहने को जादू-टोना से जोड़ती है क्योंकि यहूदी लोग जो यीशु में विश्वास नहीं करते थे, उन्होंने कहा, नहीं, उन्होंने ये चमत्कार किए, लेकिन एक जादूगर के रूप में। किसी ने भी इस बात से इनकार नहीं किया कि उसने चमत्कार किये थे, लेकिन यह सिर्फ इस बात का मामला था कि वे ईश्वर की ओर से थे या नहीं।

यदि आप यीशु को जानते हैं और आप पुराने नियम के परमेश्वर को जानते हैं, तो आप जानते हैं कि यीशु ही वह व्यक्ति हैं जो परमेश्वर के हृदय को प्रकट करने के लिए आते हैं। वह ईश्वर जो माता-पिता के अधर्म का दण्ड तीसरी और चौथी पीढ़ी के बच्चों को दे सकता है, परन्तु जिसका

अनुबंधित प्रेम और वाचा की निष्ठा उन हजारवीं पीढ़ी के लिए है जो उससे प्रेम करते हैं और उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं। यीशु हमें ईश्वर का हृदय दिखाते हैं।

तो फिर, यदि आप यीशु को जानते हैं, तो आप जानते हैं कि वह ईश्वर को प्रकट करता है। मेरा मतलब है, वह स्पष्ट रूप से भगवान की ओर से है। लेकिन फिर भी, मैथ्यू अध्याय दो, सताया हुआ बच्चा।

वहाँ यीशु के वहाँ रहने की मिस्र की ईसाई परंपरा भी है, लेकिन मैथ्यू इसके लिए हमारा सबसे पहला स्रोत है। कथा का धर्मशास्त्र, भगवान ने यीशु और उसके परिवार की रक्षा की। यह सुरक्षा दैवीय पुष्टि थी।

और साथ ही, यह मूसा की एक कहानी को भी उजागर करता है, जिसमें मूसा के बारे में कुछ कहानियाँ शामिल हैं जिनमें मूसा के माता-पिता को चेतावनी के रूप में एक सपना मिलने आदि के बारे में बताया गया था। यीशु इस संदर्भ में अपने लोगों की विरासत की पहचान करते हैं। और हम इसके बारे में बाद में और बात करेंगे।

और साथ ही, हम यीशु को एक शरणार्थी के रूप में भी देखते हैं। कई यहूदी लोगों ने विश्वास किया, और आप इसे मेकिल्टा में पाते हैं, जो निर्गमन की प्रारंभिक यहूदी टिप्पणी है। बहुत से यहूदी लोगों का मानना था कि भगवान केवल पवित्र भूमि में ही बात करते थे या कभी-कभार कहीं और बात करते थे यदि वह पानी के पास एक पवित्र स्थान था, पानी के पास एक शुद्ध स्थान था।

लेकिन हम यहां देखते हैं कि भगवान उस भूमि के बाहर काम करते हैं, जैसा कि हम अधिनियम 7 और अन्य अनुच्छेदों में देखते हैं। हम यह भी देखते हैं कि यीशु एक शरणार्थी थे। इजराइल को भगोड़ा होने का अनुभव हो चुका था।

एलिय्याह एक भगोड़ा था। डेविड भगोड़ा था। और हम यहाँ यीशु को एक भगोड़े के रूप में देखते हैं जिसके पास अपना सिर रखने की भी जगह नहीं है, यहाँ तक कि एक शिशु के रूप में भी।

और इससे पता चलता है कि वह हमारे कष्टों में इसकी पहचान करता है, क्रूस में इसकी पहचान करता है। मेरी पत्नी वास्तव में युद्ध के दौरान 18 महीने तक अपने देश में शरणार्थी थी। और जब उसने यह देखा, कि यीशु एक शरणार्थी था, तो यह उसके लिए बहुत मायने रखता था।

और यह हमारे लिए बहुत मायने रखता है जब हमें यह याद रखना कष्ट सहना पड़ता है कि हमारे प्रभु को भी कष्ट सहना पड़ा। और वह हमारा दर्द समझता है। वह समझता है कि हम किस दौर से गुजरते हैं।

इसके अलावा, इस परिच्छेद में कुछ दिलचस्प बात यह है कि मैथ्यू 2 में चार स्थानों के नाम हैं। यीशु एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं, उनके पास सिर रखने की भी जगह नहीं होती। अब, कुछ लोग यहां दिव्य शिशुओं और नायकों पर विजय पाने की प्राचीन कहानियों का हवाला देते हैं। लेकिन यहां की कहानी मूसा की कहानी के सबसे करीब है।



फिर, यहूदी परंपरा में, एक मुंशी ने फिरौन को मूसा के जन्म की भविष्यवाणी की और एक सपने ने मूसा के पिता को चेतावनी दी। यीशु यूसुफ नाम के किसी व्यक्ति के साथ मिस्र जाता है। और ये सारे संकेत हैं।

हेरोदेस एक नए फिरौन की तरह है। और साथ ही, यीशु भाग गये। यह वह भाषा है जिसका उपयोग निर्गमन 2.15 में पुराने नियम के ग्रीक अनुवाद में मूसा के भागने के लिए किया गया है।

लेकिन मैथ्यू 2:15 में समानता विशेष रूप से स्पष्ट हो जाती है, मैंने मिस्र से अपने बेटे को बुलाया है। यह होशे 11.1 से लिया गया है, जो यह भी कहता है, जब इज़राइल छोटा था, मैं उससे प्यार करता था। अब ये होशे में समानांतर रेखाएँ हैं।

तो, वह किस बारे में बात कर रहा है जब वह मिस्र से बाहर कहता है, मैंने अपने बेटे को बुलाया, वह उस बारे में बात कर रहा है जब वह अपने लोगों इसराइल को मिस्र से बाहर लाया था। पुराने नियम में इज़राइल को अक्सर ईश्वर का पुत्र कहा जाता था। इसलिए, यह परिच्छेद सीधे तौर पर होशे के संदर्भ में मसीहा के बारे में बात नहीं कर रहा था।

यह निर्गमन के समय इज़राइल के बारे में बात कर रहा था। क्या मैथ्यू यहां संदर्भ की अनदेखी कर रहा है? लेकिन मैथ्यू इसे ग्रीक से नहीं लेता है, उस समय का मानक ग्रीक अनुवाद, उस समय का सामान्य ग्रीक संस्करण जिसे हम सेप्टुआजेंट कहते हैं। इसके बजाय, मैथ्यू सीधे हिब्रू का सही अनुवाद करता है, जिससे मुझे संदेह होगा कि मैथ्यू शायद जानता है कि वह क्या कर रहा है।

शायद उसे बाकी सन्दर्भ भी मालूम है। क्योंकि होशे 11, पहले निर्गमन की बात करने के बाद, होशे अध्याय 11 में एक नए निर्गमन की बात करता है, मुक्ति का एक नया युग। यह आगे बढ़ता है और निर्गमन के बारे में और अधिक बात करता है।

जब इज़राइल छोटा था, मैं मिस्र से उससे प्यार करता था। मैंने अपने बेटे को बुलाया, मैं झुका, मैंने अपने लोगों को प्यार से खाना खिलाया, इत्यादि। और फिर फैसले की बात करता है क्योंकि उसके लोग उसकी अवज्ञा कर रहे हैं।

और वह कहता है, मैं तुम्हें वैसे ही अशशूर भेजूंगा जैसे तुम पहिले मिस्र में थे। लेकिन तब हम होशे 11 में श्लोक आठ पर हैं। वह कहता है, हे एप्रैम, मैं तुम्हारे साथ ऐसा कैसे कर सकता हूँ? मैं तुम्हें इन नगरों के समान कैसे बना सकता हूँ जिन्हें मैं ने अपने क्रोध में उलट दिया, और अपनी जलजलाहट की आग भड़का दी? इसके बजाय, मेरा अपना हृदय मेरे भीतर उलट गया है और मेरी अपनी करुणा प्रज्वलित हो गई है।

मैं पुकारूंगा, और मेरी प्रजा मिस्र देश से पक्षियोंकी नाई, वा अशशूर देश से कबूतरोंकी नाई कांपती हुई आएगी। मैं उन्हें फिर इस देश में बसाऊंगा। वह एक नए पलायन, मुक्ति के एक नए युग की बात करते हैं।

और निस्संदेह, यीशु यही करने आये हैं। यीशु अपने लोगों को पुनर्स्थापित करने आये हैं। वह अपने लोगों को उनके पापों से बचाने आया है।

अब वह मिशन कुछ मायनों में दूसरे आगमन पर पूरा हो सकता है, लेकिन निश्चित रूप से पहले आगमन पर उन्होंने उस शुरुआत का उद्घाटन किया है। अब मैथ्यू को देखकर यह सिर्फ एक अनुमान नहीं है। यह संदर्भ के अनुकूल है।

मैथ्यू लगातार इस पैटर्न का पालन करता है। मैथ्यू के अध्याय चार में, आपके पास यहां एक पैटर्न है। इस्राएल चालीस वर्ष तक जंगल में रहा।

यीशु 40 दिन तक जंगल में रहे। जंगल में इस्राएल की परीक्षा हुई। जंगल में यीशु की परीक्षा होती है।

परमेश्वर इस्राएल को व्यवस्थाविवरण में आदेश देता है। यीशु ने व्यवस्थाविवरण से तीन आज्ञाएँ उद्धृत कीं और फिर उन आज्ञाओं को पूरा किया। निर्वासन के दौरान राहेल इस्राएल पर रोती है।

मैथ्यू अध्याय दो में राहेल इज़राइल के बच्चों पर रोती है। और हम इसके बारे में अधिक विवरण देखेंगे। वास्तव में, पुराना नियम स्वयं अक्सर इस तरह के संबंधों का सुझाव देता है।

यदि आप यशायाह की पुस्तक, यशायाह 42 से 44 में देखें, तो वहां के सेवक को स्पष्ट रूप से इज़राइल, भगवान का चुना हुआ कहा जाता है। यशायाह 42:18 वह कहता है, जो अन्धा है, परन्तु मेरा दास है। मेरा दूत जिसे मैं भेजता हूँ वह बहरा है।

पुनः, यशायाह 49 :3 में इस्राएल परमेश्वर का सेवक है। लेकिन यशायाह 49:5 में परमेश्वर का सेवक इस्राएल को अपने पास वापस लाने वाला है। पुनः, यशायाह 53 में हमारे पास 52:13 से 53:12 तक है कि हमारे पास वह है जो इस्राएल के लिए कष्ट सहता है।

इस्राएल ने पाप किया था, परन्तु यह कहता है, कि उस ने पाप नहीं किया। वह अपने लोगों की ओर से कष्ट सह रहा था। इसलिए, जब इज़राइल सेवक के मिशन में विफल हो जाता है, तो इज़राइल के भीतर एक होता है जो आता है और पूरे लोगों का प्रतिनिधित्व करता है और उनकी ओर से पीड़ित होता है।

और मुझे लगता है कि मैथ्यू उसी प्रकार का संबंध बना रहा है और वह यशायाह के इन अंशों में से एक के साथ ऐसा करेगा, जिसके लिए हमारे पास पुराने नियम में पहले से ही एक संबंध है। खैर, बेथलेहम के पुरुष बच्चों की हत्या, वह कितनी ऐतिहासिक हो सकती है? हमारे पास प्राचीन दुनिया से कहीं और इसका विवरण है, लेकिन यह संभवतः मैथ्यू पर निर्भर था। मैथ्यू संभवतः पहला खाता है।

हम इसे जोसीफस में खोजने की उम्मीद नहीं कर सकते थे क्योंकि जोसीफस केवल शाही खातों, विशेषकर यरूशलेम की चीजों से निपट रहा है। लेकिन यह हेरोदेस के चरित्र के बारे में हम जो कुछ भी जानते हैं, उस पर फिट बैठता है और यह बेथलेहम से चार से छह मील दक्षिण-पूर्व में

स्थित स्थान पर भी फिट बैठता है। हेरोडियम बेथलेहम से चार मील दक्षिण पूर्व में है और बेथलेहम वहां से दिखाई देता है इत्यादि।

लेकिन मैथ्यू इस कहानी को सिर्फ निष्पक्षता से नहीं बता रहा है। यह अन्य बच्चों और उनके परिवारों के लिए बहुत दुखद कहानी है। मैथ्यू 2.16 और 2.17 में अन्याय की निंदा करता है। पाँच बार परिच्छेद बच्चे और उसकी माँ के बारे में बात करता है।

इस बच्चे और उसकी माँ से अधिक हानिरहित क्या हो सकता है? यह तानाशाह एक बच्चे और उसकी माँ को लेकर पागल है। मैथ्यू इसे निष्पक्ष रूप से नहीं बताता है, लेकिन वह शोक व्यक्त करता है और वह यिर्मयाह अध्याय 31 से ली गई भाषा का उपयोग करता है। हमारी त्रासदी में, हम इतिहास में भगवान के बड़े काम को शायद ही कभी पहचानते हैं, लेकिन हमारी पीड़ा के बीच में भी, यह एक बहुत बड़ी कहानी का हिस्सा है।

और परमेश्वर ने एक ऐसे दिन का वादा किया है जब न्याय की जीत होगी। इस त्रासदी के बीच में, ईश्वर ने इतिहास के लिए अपने दूरगामी उद्देश्य को सुरक्षित रखा है। यीशु अपने लोगों के निर्वासन से पहचान करते हैं, ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने उनके निर्वासन से पहचान की थी।

अध्याय दो श्लोक 18 में, इसलिए यिर्मयाह 31.15 का हवाला देता है, जो निर्वासन में इस्राएल की पीड़ा की तुलना इस समय बेथलेहम में जो हुआ उससे करता है। यह रेचेल की बात करता है जो यिर्मयाह 31 में अपने बच्चों की ओर से रो रही है। खैर, हर कोई पुराने नियम को अच्छी तरह से जानता था, और मैथ्यू मानता है कि उसके लक्षित दर्शक, उसके मुख्य दर्शक पुराने नियम को अच्छी तरह से जानते हैं।

पुराने नियम को जानने वाला हर कोई अच्छी तरह से जानता है कि राहेल को बेथलेहम के पास दफनाया गया था, यिर्मयाह 35.19। और इसलिए मैथ्यू एक अंतर्निहित गेजेर हाशवा बना सकता है। गीजर हाशवा एक यहूदी व्याख्यात्मक तकनीक थी जहां आप दो पाठ लेंगे जो कुछ समान के बारे में बात करते हैं और आप उन्हें एक साथ रखेंगे। वास्तव में, बाद में रब्बियों ने कहा कि याकूब ने राहेल को वहां दफनाया ताकि वह बाद में उन निर्वासितों के लिए प्रार्थना कर सके जिन्हें उसके पास से ले जाया जा रहा था।

अब, जब मैं बाद के रब्बियों को उद्धृत करता हूँ, तो मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि उन्होंने जो कहा वह सच था। मैं इसका उपयोग केवल यह दर्शाने के लिए कर रहा हूँ कि उस समय लोग किस तरह सोचते थे। लेकिन यहाँ यिर्मयाह 31 में संदर्भ है।

परमेश्वर ने राहेल को सांत्वना दी और फिर यिर्मयाह ने इस्राएल की पुनर्स्थापना की भविष्यवाणी की क्योंकि वह कहता है, इस्राएल मेरा प्रिय पुत्र है, वह बच्चा है जिससे मैं प्रसन्न हूँ। तो फिर, यह 2.15 में होशे के हवाले से बेटे के बारे में कही गई बात से जुड़ा है। और यिर्मयाह भी यिर्मयाह 31.31-34 में एक नई वाचा के बारे में बात करता है, जैसे मैथ्यू अध्याय 26 में यीशु अपने खून में वाचा के बारे में बात करेगा।

यहूदी शिक्षक जब भी किसी पद को उद्धृत करते हैं तो वे अक्सर पूरे संदर्भों का सुझाव देते हैं क्योंकि उन्हें उम्मीद होती है कि वे ऐसे लोगों से बात कर रहे हैं जो बाइबिल के अनुसार साक्षर हैं और जो व्यापक संदर्भ को जानते हैं। कभी-कभी यह उन पाठकों को याद करता है जो बाइबिल को उतनी अच्छी तरह नहीं जानते जितना आदर्श रूप से हमें जानना चाहिए। फिर यह उनके नाज़रेथ में बसने की बात करता है।

अब नाज़रेथ की आबादी को लेकर लोगों में मतभेद हो गया है। पुरातात्विक रूप से, कुछ लोगों का अनुमान है कि नाज़रेथ में केवल 500 निवासी थे। यह एक तरह से निर्भर करता है।

उन्होंने नाज़ारेथ के बहुत से हिस्से की खुदाई की है, लेकिन क्या होगा यदि आप जिसे हम सीमाएँ मानते हैं उससे थोड़ा परे रहते हैं? लेकिन किसी भी मामले में, कुछ लोगों का अनुमान केवल 500 निवासियों का है। यह एक बहुत छोटा समुदाय था। आप देख सकते हैं कि जॉन 1.46 में नथानिएल क्यों कहता है, क्या नाज़रेथ से कुछ भी अच्छा निकल सकता है? यह आवश्यक रूप से एक नकारात्मक प्रतिष्ठा है।

इसे काफी हद तक रूढ़िवादी माना जाता था। बाद में, मंदिर के नष्ट होने के बाद, 24 पुजारियों में से एक नाज़रेथ में बस गया क्योंकि इसे एक शुद्ध स्थान माना जाता था। निवासियों ने यहूदी कानून का बहुत ईमानदारी से पालन किया।

मिट्टी के बर्तनों से पता चलता है कि कुछ समय पहले सुदूर दक्षिण से कई यहूदी अप्रवासी यहां नाज़ारेथ के गलील में बस गए थे। तो यह जोसेफ और शायद मैरी के परिवारों के बेथलेहम के आसपास के क्षेत्र में दक्षिण से आने और फिर यहां बसने के साथ अच्छी तरह मेल खाएगा। इसके अलावा, बाद के ईसाइयों ने यीशु के बड़े होने के स्थान के रूप में नाज़रेथ का आविष्कार नहीं किया होगा।

मेरा मतलब है, प्राचीन दुनिया में एक प्रमुख स्थान, इफिसस, एथेंस से होना प्रतिष्ठित था। आप जानते हैं, यदि आप कह सकते हैं कि आप यहूदी लोगों के लिए यरूशलेम से थे, तो यह सबसे प्रमुख बात थी। लेकिन नाज़रेथ में पृष्ठभूमि बनाने के लिए, यदि गलील के बाहर यीशु न होते तो बहुत कम लोगों ने नाज़रेथ के बारे में सुना होता।

बढ़ईगीरी भी निस्संदेह नाज़रेथ में एक बहुत मूल्यवान व्यवसाय था क्योंकि जब यीशु अभी भी एक बच्चा था, सेफोरिस, जो गलील के दो प्रमुख शहरों में से एक था, करों को लेकर रोमनों के खिलाफ विद्रोह में जला दिया गया था। इसलिए तुरंत गलील के शासक हेरोदेस एंटीपास ने सेफोरिस का पुनर्निर्माण करना शुरू कर दिया। तो बताओ क्या? यदि आप सेफोरिस से चार मील दूर किसी समुदाय में रहते हैं, यदि आप नाज़रेथ या आसपास के किसी अन्य छोटे गाँव में रहते हैं, तो आप संभवतः बढ़ई या राजमिस्ती के रूप में कुछ समय के लिए जीविकोपार्जन करने में सक्षम होंगे।

और इस मामले में, यूसुफ और यीशु दोनों को बढ़ई कहा जाता है। यह ऐतिहासिक रूप से स्थान का अच्छा बोध कराता है। अब अध्याय दो, श्लोक 19 से 23 के धर्मशास्त्र को देखते हुए, नाज़रेथ में बसना।

आप जानते हैं, लोग यीशु की नाज़रेथ पृष्ठभूमि की आलोचना कर सकते हैं। कुछ लोग जो उनके अनुयायियों को पसंद नहीं करते थे, उन्हें नाज़रीन कहते थे। वे अक्सर नाज़रेथ के यीशु के बारे में बात करते थे।

यह जरूरी नहीं था कि उसे नीचा दिखाया गया हो, लेकिन जो लोग उसे पसंद नहीं करते थे, वे कह सकते थे, ठीक है, वह इस छोटे से गाँव से आता है। मेरा मतलब है, वह कोई महत्वपूर्ण व्यक्ति नहीं है। तो, मैथ्यू उस पर प्रतिक्रिया देता है।

और हम इस परिच्छेद में धर्मशास्त्र के कई तत्वों को देखते हैं, वे चीज़ें जो यह हमें सिखाता है। सबसे पहले, हम मुसीबत से राहत देखते हैं। हेरोदेस की मृत्यु का उल्लेख तीन बार किया गया है।

हेरोदेस बच्चे और उसकी माँ को मारना चाहता था, लेकिन अकेले ईश्वर के पास ही अंततः जीवन और मृत्यु की शक्ति है। मृत्यु के द्वार परमेश्वर के लोगों के विरुद्ध प्रबल नहीं हो सकते। यदि हम मरते हैं, तो हमारे सिर का एक बाल भी परमेश्वर को जाने बिना ज़मीन पर नहीं गिरता।

हम अपने स्वर्गीय पिता पर भरोसा कर सकते हैं, और यदि उसकी इच्छा हो तो वह हमारी रक्षा करने में भी सक्षम है। और इसलिए, इस मामले में, भगवान अपने उद्देश्यों को संरक्षित कर रहा है। हम यीशु की वापसी को एक नए मूसा या उद्धारकर्ता के रूप में भी देखते हैं।

मैंने पहले उल्लेख किया था कि कैसे मूसा को बताया गया था कि वह मिस्र वापस जा सकता है क्योंकि जो लोग उसकी जान की तलाश में थे वे मर चुके थे। और यूसुफ को स्वप्न में कहा गया, कि तू पवित्र भूमि पर वापस जा सकता है, क्योंकि जो लोग बालक के प्राण के खोजी थे वे मर चुके हैं। लेकिन जब उसने सुना कि हेरोदेस महान का पुत्र आर्केलौस यहूदिया में सत्ता में है, तो वह गलील में बस गया क्योंकि हेरोदेस एंटीपास दुनिया का सबसे अच्छा व्यक्ति नहीं था, गलील का शासक था, लेकिन वह आर्केलौस से कहीं बेहतर था।

और यह कुछ और है जो हम कथा में देखते हैं कि भगवान हमें बुद्धि दे सकते हैं। इस मामले में, यूसुफ के पास बुद्धिमत्ता थी क्योंकि आर्केलौस एक बहुत अच्छा व्यक्ति नहीं था, यहूदिया का शासक था। वह अपने पिता हेरोदेस महान की मृत्यु के बाद यहूदिया में सत्ता में आया।

लेकिन जैसा कि एक इतिहासकार ने कहा है, आर्केलौस में उसके पिता के सभी अवगुण थे, लेकिन कोई भी गुण नहीं था। अर्थात्, वह एक बहुत ही निर्दयी, बहुत ही मतलबी व्यक्ति था, लेकिन वह अपने पिता के विपरीत एक बुरा प्रशासक था, और वर्ष 6 में उसे गॉल के वियना में निर्वासित कर दिया गया। इसलिए, उसके लिए यही बुद्धिमानी थी कि वह यहूदिया में न बसे, और बेथलेहम वापस न जाए।

लेकिन अंततः हम यह भी देखते हैं कि नाज़रेथ में बसने की योजना परमेश्वर की थी। जैसा कि हमने देखा है, नाज़रेथ राजनीतिक रूप से महत्वहीन था और इसमें शायद 500 निवास थे। तो, यह एक बाइबिल तर्क को आमंत्रित करता है, और बाइबिल तर्क यह है कि यह दैवीय रूप से महत्वपूर्ण था।

और मैथ्यू उद्धृत करता है, वह भविष्यवक्ता नहीं कहता, वह भविष्यवक्ता कहता है। इसलिए, हो सकता है कि वह कुछ अलग-अलग ग्रंथों को एक साथ बुन रहा हो जैसे कि उसके समय के यहूदी व्याख्याकार कभी-कभी करते थे। उसे नाज़रीन कहा जाना चाहिए।

खैर, यहूदी व्याख्याकार कभी-कभी शब्द नाटकों का भी प्रयोग करते थे। कभी-कभी वे संकेतों का मिश्रण करते थे और शब्द नाटकों का प्रयोग करते थे। इसलिए, आज विद्वानों को यह पता लगाने में परेशानी हो रही है कि वह किस अनुच्छेद के बारे में बात कर रहे हैं।

कुछ विद्वान सोचते हैं कि वह न्यायाधीशों के अध्याय 13 के बारे में बात कर रहा है, जहाँ सैमसन एक नाज़री था। उसे नाज़राइट कहा जाना चाहिए। लेकिन बड़ी संख्या में विद्वान सोचते हैं कि यह एक हिब्रू शब्द-क्रीड़ा है।

हिब्रू शब्द नेज़र पर यशायाह के अध्याय में, शाखा, जो नाज़रेथ नाम की उत्पत्ति का हिस्सा हो सकती है क्योंकि यह एक शाखा स्थान है। लेकिन नेज़र का अर्थ एक शाखा है और इसका उपयोग यशायाह अध्याय 11 और श्लोक एक में वादा किए गए आने वाले राजा के लिए एक शीर्षक के रूप में किया जाता है। इसका उपयोग मृत सागर स्कॉल आदि में एक मसीहा शीर्षक के रूप में भी किया जाता है।

तो, मैथ्यू संभवतः कुछ परिष्कृत कर रहा है, लेकिन इस मामले में, यह इतना परिष्कृत है कि विद्वान आज भी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि वास्तव में वह कौन सी परिष्कृत चीज़ है जो वह कर रहा था। इसके अलावा, मैंने पहले इसका उल्लेख करने की उपेक्षा की थी, लेकिन मैथ्यू अध्याय एक में 14 पीढ़ियों के इन सेटों के साथ भी यही बात है। कुछ विद्वानों का कहना है कि वहां जेमट्रिया के यहूदी सिद्धांत का उपयोग किया जा रहा है।

14 डेविड को हिब्रू अक्षरों में लिखने का तरीका है जब आप प्रत्येक अक्षर को हिब्रू वर्णमाला के लिए हिब्रू अंकों के रूप में उपयोग करते हैं। इसलिए, मैथ्यू के सुसमाचार में और भी कई विवादास्पद बातें हैं जिन पर हम विचार कर सकते हैं। मैं उन सब में जाने की कोशिश नहीं कर रहा हूँ, लेकिन इसके साथ, हम मैथ्यू अध्याय दो को समाप्त करते हैं।

और हम मैथ्यू अध्याय तीन में आगे बढ़ते हैं, जहां हमें जॉन द बैपटिस्ट का संदेश मिलता है। हम सबसे पहले उनके संदेश पर नजर डालेंगे। खैर, हम पहले उनकी जीवनशैली और फिर उनके संदेश पर नजर डालेंगे।

जंगल के पैगंबर की चेतावनियाँ, अध्याय तीन, श्लोक एक से 12 तक। पहली शताब्दी के यहूदी इतिहासकार जोसेफस, जॉन द बैपटिस्ट के बारे में भी बात करते हैं, जॉन द्वारा जॉर्डन में लोगों को बपतिस्मा देने के बारे में भी बात करते हैं। लेकिन जोसेफस यूनानी दर्शकों या कम से कम प्रवासी यहूदी दर्शकों के लिए लिख रहा है।

वह कुछ गैर-यहूदी पाठकों से भी अपेक्षा रखता है। और जोसेफस ने जॉन को एक हेलेनिस्टिक नैतिक दार्शनिक के रूप में चित्रित किया है। तो, जॉन वहां उनकी आत्माओं को शुद्ध कर रहा है और फिर पानी से उनके शरीर को शुद्ध कर रहा है।

लेकिन मूल रूप से, सुसमाचारों में हमारे पास जो विचार है, जिस तरह से सुसमाचारों में इसे रखा गया है वह हम जानते हैं कि जॉन जैसा होगा, उसके करीब है क्योंकि वह पवित्र भूमि में उपदेश दे रहा है। वह कोई ऐसा व्यक्ति नहीं है जो यूनानी दर्शन के संपर्क में है। अब, यदि आप मुझसे पॉल या कुछ और विषय पर पाठ्यक्रम लेंगे, तो हम यूनानी दर्शन के बारे में बात कर सकते हैं।

मुझे भी उन सभी चीजों का अध्ययन करना अच्छा लगता है। लेकिन जॉन बैपटिस्ट यूनानी दर्शन के बारे में बात नहीं कर रहे थे। वह एक यहूदी पैगम्बर है।

इसलिए, कुछ संध्रांत लोगों ने सोचा कि उनके समय में भविष्यवक्ता समाप्त हो गए थे। फरीसियों ने सोचा कि टोरा अपर्याप्त था। हमें वास्तव में इधर-उधर भटकने वाले भविष्यवक्ताओं की आवश्यकता नहीं है।

यदि आपके पास ऐसे लोग हों जो यह कहते फिरें कि वे ईश्वर के लिए बोलते हैं, तो सद्कियों की राजनीतिक शक्ति खराब हो जाएगी। लेकिन लोकलुभावन आंदोलन भविष्यवक्ताओं के प्रति अधिक खुले थे। तो, आपके पास ऐसे लोग थे जो जंगल में भी जाने और भविष्यवक्ता होने का दावा करने वाले लोगों का अनुसरण करने के इच्छुक थे।

जोसीफस ने कुछ अन्य का उल्लेख किया है, हालाँकि उनमें से अधिकांश बहुत अच्छे नहीं लगते हैं। जॉन बैपटिस्ट और वास्तव में यीशु, जिसका उल्लेख जोसीफस ने पुरावशेष 18.63 और 64 में किया है। जोसीफस यीशु के बारे में भी बात करता है और उसके बारे में काफी अनुकूलता से बात करता है जैसे वह जॉन के बारे में काफी अनुकूलता से बात करता है।

उन्होंने कहा, लेकिन अधिकांश अन्य लोग परेशानी पैदा करने की कोशिश कर रहे थे। जॉन की जीवनशैली। हम जंगल में उसके स्थान को देखते हैं।

यह चारों सुसमाचारों, उसकी अलमारी और उसके आहार में है। सबसे पहले, उसका स्थान। अच्छा, क्या यह ऐतिहासिक होता? मार्क में हमने जॉर्डन से जुड़े इस जंगल के बारे में पढ़ा।

और पवित्र भूमि के बाहर का कोई व्यक्ति जंगल को जॉर्डन के साथ नहीं जोड़ेगा। मेरा मतलब है, आप उम्मीद करेंगे कि नदी के चारों ओर सब कुछ उपजाऊ होगा। लेकिन जॉर्डन के मामले में, आपके पास यह उपजाऊ क्षेत्र जॉर्डन के दोनों ओर था।

और फिर जैसे-जैसे आप उससे आगे बढ़ें, यह बहुत कम हो गया। तो, यह भूगोल में फिट बैठता है, यह क्षेत्र की स्थलाकृति में फिट बैठता है। इसके अलावा, जंगल शरण का एक सामान्य स्थान था।

यह वह जगह है जहां लोग तब जाते थे जब उन्हें मुसीबत से छुटकारा पाने की जरूरत होती थी। आप पाते हैं कि रब्बियों की बाद की कहानियों में से एक में, यह रब्बी, शिमोन बेन योचाई, और उसका बेटा जंगल में एक गुफा में छिप गए और तब तक बाहर नहीं आए जब तक कि उन्होंने एक स्वर्गीय आवाज़ नहीं सुनी, आप बाहर आ सकते हैं। यह एक ऐसी जगह भी थी जहां आप सुरक्षित रूप से भीड़ को रिकॉर्ड कर सकते थे, और सुरक्षित रूप से भीड़ खींच सकते थे।

खैर, मैथ्यू या मार्क इसे रिकॉर्ड करने की जहमत क्यों उठाएंगे? यह महत्वपूर्ण क्यों था? खैर, इसका एक कारण यह है कि यह यीशु का पूर्वरूप है, जो अगले अध्याय में जंगल में होगा। दूसरा यह है कि यह उन सभी चीजों से अलग होने की जीवनशैली का मॉडल तैयार करता है जिन्हें दुनिया महत्व देती है। समाज से बहिष्कृत लोगों के लिए जंगल एक आदर्श स्थान था।

रोमन-विरोधी भविष्यवक्ताओं सहित कट्टरपंथी भविष्यवक्ता वहां एकत्र हो सकते थे और उनके पकड़े जाने की संभावना नहीं थी। डाकू जंगल में घूम रहे थे। इसके अलावा, नवीकरण आंदोलन, जैसे कि कुमरान समुदाय में मृत सागर स्क्रॉल बनाने वाले लोग, जंगल में एक आंदोलन थे।

वे अधिकारियों से भी दूर रहेंगे और वे भ्रष्ट समाज से भी दूर रहेंगे, जैसा कि कई लोगों ने देखा। इसके अलावा, एक बाइबिल कारण भी था। बाइबिल के भविष्यवक्ताओं ने एक नये निर्गमन की भविष्यवाणी की थी।

वास्तव में, हमने यशायाह अध्याय 11 के मामले में इसका उल्लेख किया है। यह यशायाह 2 में भी है। यह यशायाह 11 में है। यह विभिन्न स्थानों पर है।

जिन स्थानों पर यह दिखाई देता है उनमें से एक यशायाह अध्याय 40 और श्लोक 3 में है। तो वहाँ तुम्हें जंगल में किसी के चिल्लाने की आवाज़ सुनाई देती है, कि हमारे परमेश्वर के लिए मार्ग तैयार करो। और निश्चित रूप से, जॉन द बैपटिस्ट जंगल में एक ऐसी आवाज़ है, जो आने वाले वादा किए गए नए निर्गमन, मुक्ति के नए युग के लिए रास्ता तैयार कर रहा है। उनकी जीवनशैली बलिदान का प्रतीक हो सकती है, जो जॉन की अलमारी को देखने पर, जॉन के कपड़े पहनने के तरीके पर नजर डालने पर हम जो देखने जा रहे हैं, उसके अनुरूप है।

मेरा मतलब है, जंगल में, आपके लैपटॉप को प्लग इन करने के लिए कोई जगह नहीं है। इंटरनेट पर जाकर इस तरह का वीडियो देखने के लिए कोई जगह नहीं है। आपके प्रकाश बल्बों को प्लग करने के लिए कोई जगह नहीं है।

लेकिन वैसे भी, यह पहली सदी के यहूदियों के लिए भी कठोर था। जॉन की अलमारी, वह सबसे गरीब लोगों की तरह कपड़े पहनता है। पुनः, त्यागपूर्ण जीवनशैली।

लेकिन उसके कपड़े पहनने के तरीके में एक और तत्व है। और वह यह कि उसके कपड़े पहनने का ढंग भविष्यवक्ता एलियाह की याद दिलाता है। सेकेंड किंग्स 1.8, वह सेकेंड किंग्स 1.8 में एलिजा की तरह कपड़े पहनता है। एलियाह को प्रभु के दिन से पहले लौटना था।



यह मलाकी अध्याय 4 में है, यहूदी परंपरा आगे विकसित हुई, सिराच की पुस्तक, इत्यादि। एलिय्याह को परमेश्वर के लिए रास्ता तैयार करना था, जैसे यशायाह 40 की आयत 3 में है। यह कहता है, एक व्यक्ति परमेश्वर के लिए रास्ता तैयार करने के लिए जंगल में आ रहा है। खैर, जॉन किसका रास्ता तैयार करता है? जॉन यीशु के लिए रास्ता तैयार करता है।

सुसमाचार के लेखक पहले से ही यहाँ हैं, सुसमाचार की शुरुआत के करीब, आपको बता रहे हैं कि वे जानते हैं कि यीशु वास्तव में कौन है। यीशु देहधारी परमेश्वर हैं। तो, मैथ्यू अध्याय 3 की आयत 3 में यशायाह को यहोवा का जिक्र करते हुए उद्धृत किया गया है।

अब, मैथ्यू मलाकी 3 को उद्धृत नहीं करता है, जिसे मार्क उद्धृत करता है, जो एलिय्याह को दूसरे तरीके से लाता है। मैथ्यू इसे यहां उद्धृत नहीं करता है। उन्होंने इसे अध्याय 11 में उद्धृत किया है, लेकिन यह बाद में मैथ्यू के सुसमाचार में भी सामने आने वाला है।

जॉन के स्थान और जॉन की अलमारी के अलावा, हमारे पास जॉन का आहार है। यूहन्ना टिड्डियाँ और जंगली मधु खाता है। वह कीड़े खाता है।

अब, इस पर निर्भर करते हुए कि आप दुनिया के किस हिस्से से हैं, यह अच्छा लग सकता है या बुरा लग सकता है। मुझे याद है जब मैं नाइजीरिया के मध्य बेल्ट में पठार राज्य में रह रहा था, जब उड़ने वाली चींटियाँ बाहर आईं, तो हर कोई कह रहा था, ओह, ये वास्तव में अच्छे हैं। यह उन्हें पाने का समय है।

और वे पंख तोड़कर अपने मुँह में डाल रहे थे। कांगो के कुछ हिस्सों में दीमकों को बहुत, बहुत स्वादिष्ट माना जाता है। टिड्डियाँ कोषेर थीं।

अर्थात्, वे लैव्यव्यवस्था 11 की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। आपको टिड्डियाँ खाने की अनुमति है। यहूदी लोग टिड्डियाँ खा सकते थे।

मृत सागर स्कॉल में टिड्डियों को भोजन के लिए तैयार करने के उचित तरीके के बारे में भी बताया गया है। लेकिन आम तौर पर आपने सिर्फ टिड्डियाँ ही नहीं खाईं। पूरी तरह से टिड्डियों पर निर्भर रहना एक विशेष आहार था।

और केवल वही व्यक्ति ऐसा कर रहा होगा जो जंगल में रहता हो। अत्यंत त्यागपूर्ण जीवनशैली। हालाँकि जॉन ने उन पर जंगली शहद डालकर उन्हें थोड़ा मीठा कर दिया।

उसे जंगली शहद कैसे मिला होगा? ठीक है, आप आग जला सकते हैं, मधुमक्खियों को धुआं कर बाहर निकाल सकते हैं, फिर छत्ता ले सकते हैं, उसे तोड़ सकते हैं और शहद निकाल सकते हैं। साधारण आहार अक्सर जंगल के पीटिस्टों से जुड़ा होता था। हमने इसके बारे में विभिन्न स्थानों पर पढ़ा जहां कुछ यहूदी लोगों को ऐसा करना पड़ा।

और कुछ लोगों ने इसके लिए फोन किया है। हममें से प्रत्येक के पास अलग-अलग प्रकार की कॉलिंग होती है। हममें से प्रत्येक को राज्य के लिए अलग-अलग प्रकार के बलिदान करने होंगे।

यीशु इस बारे में बाद में बात करते हैं जब वे कहते हैं, आप जानते हैं, आपने जॉन द बैपटिस्ट के बारे में शिकायत की थी। आपने कहा कि वह न तो कुछ खाये और न ही कुछ पीये। उसके पास अवश्य ही कोई राक्षस होगा।

और यीशु ने कहा, मैं खाता-पीता आया हूँ। और तुम कहते हो, देखो, वह पेटू मनुष्य और पियक्कड़ है। और यीशु उन्हें इंगित करते हैं, बिल्कुल असंगत।

वे भविष्यवक्ताओं पर हमला करना चाहते हैं चाहे वे कुछ भी करें। लेकिन यीशु जॉन से भी अधिक बलिदान देने जा रहे हैं, कम से कम 40 दिनों तक जब वह पूरी तरह से बिना भोजन के रहेंगे। लेकिन इन विभिन्न उदाहरणों का मुद्दा यह है कि हमें राज्य पर अपना सब कुछ दांव पर लगाना होगा।

राज्य एक बहुमूल्य मोती के समान है जिसके लिए एक व्यापारी गया और सब कुछ बेच दिया, मैथ्यू 13, या एक खेत में छिपे हुए खजाने की तरह है जो आपके पास पहले से ही मौजूद हर चीज के लायक है क्योंकि यह उन सभी से बड़ा है। यीशु हर चीज के लायक है। वह हर बलिदान के लायक है।

और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में, हमें अलग-अलग चीजों का त्याग करने के लिए कहा जाता है। एक युवा ईसाई के रूप में, मैं सड़कों पर अपना विश्वास साझा कर रहा था, क्योंकि मैं चाहता था कि अन्य लोग प्रभु के बारे में अच्छी खबर सुनें जिन्होंने मुझे बचाया था। मेरा मतलब है, जिस दिन तक मैं यीशु का अनुयायी नहीं बन गया, मैंने वास्तव में इस बारे में अच्छी खबर नहीं सुनी थी कि मैं यीशु का अनुयायी कैसे बनूँ।

और मैं उसी दिन नास्तिकता से परिवर्तित हो गया। लेकिन कभी-कभी सड़कों पर अपना विश्वास साझा करने के कारण मुझे पीटा जाता था। मुझे अपनी जान का खतरा था।

अब, मेरा जीवन अब वैसा कुछ नहीं है। मेरे द्वारा किए गए बलिदान बहुत अलग हैं, लेकिन हमारे जीवन में अलग-अलग समय पर, या हममें से अलग-अलग लोगों के लिए, हमें अलग-अलग चीजें भुगतने के लिए बुलाया जाता है, लेकिन हम सभी भाई-बहन हैं, और हमें एक साथ खड़े होने की जरूरत है। और यदि आप ऐसी जगह पर हैं जहाँ आपको अधिक कष्ट नहीं हो रहा है, तो प्रार्थना में उन लोगों को याद करें जो पीड़ित हैं।

लेकिन हमारे पास जो भी अवसर हैं, हम राज्य की खातिर संसाधनों का त्याग कर सकते हैं, जो कुछ भी हमारे पास है, हम जिस भी स्थिति में हैं, उसमें हम जो कुछ भी कर सकते हैं वह कर सकते हैं। और इस तरह का उदाहरण हमारे यहां सुसमाचारों में है। हम जॉन के इज़राइल मिशन के बारे में भी सीखते हैं।

जॉन का उपदेश, जॉन का संदेश. यह पश्चाताप का संदेश है. यहूदी लोग अक्सर पश्चाताप के बारे में बात करते थे।

हर बार जब आपने पाप किया, तो आपको उसका पश्चाताप करना होगा। तुम्हें प्रायश्चित्त करना पड़ेगा। कुछ लोगों ने कहा है, ठीक है, आप जानते हैं, यह ग्रीक शब्द मेटानोइओ है, जिसका अर्थ है मन का परिवर्तन।

लेकिन किसी शब्द का अर्थ उसकी जड़ों से निर्धारित नहीं होता है, आप शब्द के इस भाग और शब्द के इस भाग को लेते हैं, और इसका मतलब यह था, और इसका मतलब यह था। किसी शब्द का अर्थ इस बात से निर्धारित होता है कि जब आप उन्हें एक साथ रखते हैं तो क्या होता है और लोग शब्दों का उपयोग कैसे करते हैं। और जिस तरह से सुसमाचार में इस शब्द का उपयोग किया गया है, यह इस्राएल के भविष्यवक्ताओं की तरह है जो इज़राइल को बुला रहे थे, भगवान की ओर लौटो, भगवान की ओर लौटो, हे इस्राएल के भगवान।

और जॉन लोगों को न केवल अपनी सोच बदलने के लिए, बल्कि अपने जीवन को बदलने के लिए, इस्राएल के परमेश्वर को अपना जीवन समर्पित करने के लिए बुला रहा है। और वे श्लोक छह में अपने पापों को स्वीकार कर रहे हैं। और फिर जॉन उन्हें ऐसा करने के लिए दिखाता है या उन्हें पश्चाताप के कार्य के साथ ऐसा करने के लिए बुलाता है, इस मामले में बपतिस्मा के साथ।

जोसेफस हमें फिर से उसके बारे में बताता है। लेकिन अब उसकी पृष्ठभूमि क्या है? खैर, प्राचीन काल में विसर्जन के कई अनुष्ठान होते थे जिनका उपयोग किया जाता था। कुछ सख्त समूह जैसे कि डेड सी स्क्रॉल लिखने वाले लोग नियमित रूप से अनुष्ठानिक विसर्जन का अभ्यास करते थे।

वास्तव में, वे नग्न अवस्था में इसका अभ्यास करते थे, किसी भिन्न लिंग के व्यक्ति के साथ नहीं, बल्कि ऐसा करने के लिए वे नग्न होकर अभ्यास करते थे। संभवतः जॉन ने ऐसा नहीं किया क्योंकि, आप जानते हैं, वे जॉर्डन के साथ सार्वजनिक रूप से बाहर हैं, लेकिन वे खुद को पानी से ढंकना चाहते थे। बाद में रब्बियों ने कहा कि आपके पास 40 समुद्र पानी होना चाहिए।

और उन्होंने वास्तव में माप लिया है, पुरातत्वविदों ने इज़राइल में विसर्जन टैंकों को मापा है जिनका उपयोग यहूदी लोग करते थे। और निश्चित रूप से, वे उतना पानी अंदर समा सकते हैं। लेकिन वहां एक विशेष प्रकार का विसर्जन था।

अन्य प्रकार की धुलाई भी होती थी, जैसे हाथ वगैरह, लेकिन एक विशेष प्रकार का विसर्जन होता था जिसका उपयोग तब किया जाता था जब अन्यजाति यहूदी धर्म में परिवर्तित हो रहे थे। उन्हें उनकी पूर्व गैर-यहूदी अशुद्धियों से शुद्ध करने के लिए पानी में डुबोया जाएगा। और हम इसके बारे में पहले ही बात कर चुके हैं, कि जॉन अपने यहूदी श्रोताओं से कह रहे होंगे, आप जानते हैं, आप केवल इब्राहीम के वंशज होने पर निर्भर नहीं रह सकते।

उसी तरह हम आज किसी से कह सकते हैं, आप उन लोगों के लिए ईसाई घर में पले-बढ़े होने पर निर्भर नहीं रह सकते। इसके बजाय, हम सभी को समान शर्तों पर भगवान के पास आना होगा। हम सभी को पश्चाताप करना होगा।

हम सभी को यह स्वीकार करना होगा कि हम केवल उसी से बचाए जाते हैं जो ईश्वर हमारे लिए करता है। और इसलिए जॉन इसका प्रचार कर रहा है और यह बच्चों को ऊपर उठाता है, इब्राहीम के बच्चों का मुद्दा उठाता है। यूहन्ना कहता है, हे सांप के वंश!

यह कुछ ऐसा है जिसे हम इसके बाद की कुछ स्लाइड्स में देखेंगे, लेकिन स्पष्ट रूप से इसका उद्देश्य प्रशंसात्मक नहीं है। मैं ऐसी बहुत सी संस्कृतियों को नहीं जानता जहाँ किसी को वाइपर या वाइपर का बच्चा कहना मुफ्त है। हो सकता है कि कुछ संस्कृतियाँ अपवाद हों, लेकिन उनमें से अधिकांश नहीं हैं।

निश्चित रूप से यह नहीं। यूहन्ना कहता है, तुम्हें मन फिराव के अनुसार फल उत्पन्न करना चाहिए। खैर, यह एक विषय है।

यीशु ने बाद में इस सुसमाचार में भी इसकी प्रतिध्वनि की है। छोटे फलहीन पेड़ जलाऊ लकड़ी के अलावा बेकार थे। वे बहुत छोटे थे।

हो सकता है कि आप उन्हें अपनी छत में उपयोग कर सकें, लेकिन वे अच्छी छत की बीम भी नहीं बना पाएंगे। इन्हें अक्सर पुराने नियम में इज़राइल और राष्ट्रों के प्रतीक के रूप में उपयोग किया जाता था। पत्थरों को कभी-कभी भगवान के लोगों के लिए पुराने नियम के प्रतीक के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता था।

परन्तु वह कहता है, परमेश्वर इन पत्थरों से इब्राहीम के लिये सन्तान उत्पन्न कर सकता है। और हो सकता है कि जॉन जिस सेमिटिक भाषा में उपदेश दे रहा हो, उसमें शब्दों का खेल हो। शब्दों का खेल एवेन और बेन के बीच होगा।

यह पत्थर और सूरज से काफी मिलता-जुलता है। ईश्वर इब्राहीम के लिए इन पत्थरों से बच्चे पैदा कर सकता है और भविष्यवक्ता अक्सर शब्द नाटकों का इस्तेमाल करते थे। इसलिए, वह उन्हें पैतृक योग्यता पर निर्भरता के प्रति आगाह करते हैं।

और हमारे पास आने वाले न्यायाधीश और फैसले के बारे में जॉन का संदेश है। जॉन घोषणा करता है कि राज्य आ रहा है। वह नहीं समझता कि यह दो चरणों में आने वाला है, लेकिन वह समझता है कि राज्य आ रहा है।

और यह एक संदेश है जिसे यीशु आगे बढ़ाते हैं और जिसे आगे बढ़ाने के लिए यीशु अपने शिष्यों को भेजते हैं। इसलिए, यह एक अर्थ में हमारे उपदेश के लिए एक मॉडल बन जाता है। लेकिन वह उन्हें चेतावनी दे रहा है, कि जो राज्य आ रहा है, वह वैसा ही है जैसा आपने आमोस की किताब में लिखा है, कि प्रभु का यह दिन जो आपके पास आएगा वह अंधकार का दिन होगा, प्रकाश का नहीं।

वह क्रोध का दिन है। यह उन लोगों के लिए न्याय का दिन है जो राजा के लिए तैयार नहीं हैं। यही एक कारण है कि भगवान ने लोगों को स्वतंत्र इच्छा रखने की अनुमति दी है।

उसने पहले से ही इतिहास में हस्तक्षेप नहीं किया है और सब कुछ खत्म कर दिया है। हम कहते हैं, अच्छा, भगवान का न्याय कहाँ है? कुछ लोगों को ऐसा कहना बंद कर देना चाहिए क्योंकि वे भगवान के न्याय के लिए तैयार नहीं हैं। जब परमेश्वर आएगा, तो वह पूरा न्याय करेगा।

और जिन लोगों ने पाप किया है उन्हें उस दिन के लिए स्वयं को तैयार करने की आवश्यकता है। हम सबने पाप किया है। हमें ईश्वर की ओर मुड़कर खुद को उस दिन के लिए तैयार करने की जरूरत है।

तो, वह इस आने वाले व्यक्ति के बारे में बात करता है जो न्याय लाने वाला है, लेकिन वह राज्य भी ला रहा है। वह तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा। ठीक है, मैं आपके सर्कल के बारे में नहीं जानता, लेकिन मैंने अक्सर लोगों को पवित्र आत्मा और आग में बपतिस्मा लेने के बारे में बात करते हुए अर्थ के अधिक पवित्र होने के संदर्भ में सुना है, कि आग हमारे अंदर से अशुद्धता और अपवित्रता को जला देती है।

खैर, बाइबल में अलग-अलग अनुच्छेदों में आग अलग-अलग चीजों का प्रतीक है। कभी-कभी यह शुद्धि का प्रतीक है। कभी-कभी यह परीक्षण का प्रतीक है।

यिर्मयाह अपनी हड्डियों के भीतर बंद आग के बारे में बात करता है, कि प्रभु का वचन उसके भीतर था इतना कि वह उसे रोक नहीं सका। लेकिन बाइबिल में अक्सर, आग न्याय का प्रतीक है। और यहूदी परंपरा अक्सर इसे उसी तरह इस्तेमाल करती थी।

इस संदर्भ में अग्नि का क्या अर्थ है? खैर, आइए पहले के संदर्भ में वापस जाएं और देखें कि जॉन किसे संबोधित कर रहे हैं। जॉन देखता है कि कई फरीसी और सद्कियाँ वहाँ आ रहे हैं जहाँ वह बपतिस्मा दे रहा है। ल्यूक में, यह भीड़ है।

मैथ्यू भीड़ के एक खास हिस्से पर ध्यान केंद्रित करता है। मैथ्यू ने वास्तव में अपने सुसमाचार में इसे फरीसियों और सद्कियों के लिए रखा है। लेकिन आप मार्क से पहले से ही जानते हैं कि वे संकटमोचक बनने वाले हैं।

तो फिर भी, जब यूहन्ना ने बहुत से फरीसियों और सद्कियों को जहाँ वह बपतिस्मा दे रहा था आते देखा, तो उन से कहा, हे सांप के बच्चों, तुम्हें किस ने चिताया, कि आनेवाले क्रोध से ऐसे भागो, जैसे सांप आग से भागते हैं? क्या ये उसके दोस्त हैं? मेरा मतलब है, क्या वह उनसे इस तरह बात कर रहा है, ओह, आप वास्तव में धर्मात्मा लोग हैं? जब वह कहता है कि आप भूमध्यसागरीय पुरातनता में वाइपर की संतान हैं, वाइपर की संतान हैं, तो यह व्यापक रूप से माना जाता था, और इसमें अन्यजातियों के बीच भी शामिल है, यह व्यापक रूप से माना जाता था कि जिस तरह से बच्चे वाइपर पैदा हुए थे, वे अपनी माँ के अंदर पैदा हुए थे। सरीसृप अंडे देते हैं, लेकिन ये उनकी माँ के अंदर फूटते हैं, और फिर वे अपनी माँ के गर्भ में अपना रास्ता चबाते हैं, और इस प्रक्रिया में अपनी माँ को मार देते हैं। इसलिए कभी-कभी जब लोग लोगों को वाइपर कहकर अपमानित करते थे, तो यह उन्हें माता-पिता के हत्यारे कहने जैसा होता था।

और जॉन इसे और भी स्पष्ट बनाता है। तुम सांपों की संतान हो, तुम हत्यारे माता-पिता हो। ओह, आप कहना चाहते हैं कि हम अब्राहम की संतान हैं।

दरअसल, आप अपने माता-पिता के हत्यारे हैं। आप उस नैतिक स्तर पर हैं, शायद उनकी तारीफ नहीं कर रहे हैं। खैर, जॉन उन्हें किस बारे में चेतावनी दे रहा है? वह आने वाले क्रोध से भागने की बात करता है।

पश्चात्ताप के अनुसार फल उत्पन्न करो। हर वह पेड़ जो अच्छा फल नहीं लाता, काटा जाएगा और आग में झोंक दिया जाएगा। क्या वह खुशी की आग थी? क्या आग की आग तुम्हें उपदेश देने के लिये तुम्हारी हड्डियों में बन्द है? नहीं।

जो पेड़ अच्छा फल नहीं लाता, वह आग में डाला जाता है। यह न्याय की अग्नि है। वह पद 10 है।

श्लोक 12, श्लोक 11 के ठीक बाद का श्लोक, श्लोक 12 कहता है कि उसका शीतकालीन कांटा उसके हाथ में है और वह अपने खलिहान को अच्छी तरह से साफ करने जा रहा है। खैर, कटाई के बाद जब वे गेहूँ इकट्ठा करेंगे तो वे क्या करेंगे, वे गेहूँ को हवा में उछाल देंगे और हवा हल्की भूसी को उड़ा देगी क्योंकि भूसी, आप इसे नहीं खा सकते। तो, यह गेहूँ को भूसी से अलग करने का एक तरीका था।

और फिर आप गेहूँ को खलिहान में इकट्ठा कर सकते थे, लेकिन भूसी, वह बेकार थी। इसे तो जलाना ही था। और कभी-कभी जब परमेश्वर ने पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं में न्याय की बात की, तो उसने अपने न्याय की वस्तुओं को भूसी के रूप में भी बताया, जिसे जला दिया जाएगा।

लेकिन भूसा अच्छा ईंधन भी नहीं था। यह जल्दी नहीं जला। मुझे खेद है, यह जल्दी जल गया।

यह ज्यादा समय तक नहीं चल सका। और इसलिए, आप सोचेंगे कि यह भूसी जल्दी जल जाती है, लेकिन वह कहते हैं, नहीं, यह भूसी कभी न बुझने वाली आग से जलने वाली है। न बुझने वाली आग कौन सी आग थी? जब यहूदी लोग इसके बारे में बात करते थे, तो वे अक्सर गेहना के बारे में बात करते थे, जो शापित स्थान के बारे में यहूदी दृष्टिकोण था।

अब इसके बारे में अलग-अलग यहूदी दृष्टिकोण थे, लेकिन उन सभी में विनाश शामिल था। और उनमें से कुछ में शाश्वत विनाश शामिल था। और इस भूसी के बारे में बात करते हुए जो कभी न बुझने वाली आग से जलती है, जॉन सबसे भयानक छवि लेता है जिसके बारे में यहूदी शिक्षक और फरीसी बात करते थे क्योंकि यही होने वाला है, सबसे खराब संभावित चीज़ जो शापितों के साथ होगी।

जॉन कहता है कि तुम फरीसी इसके लिए तैयार हो। खैर, श्लोक 10 में आग न्याय की आग है। श्लोक 12 में अग्नि न्याय की अग्नि है।

आपमें से जो लोग गणित में अच्छे हैं, उनके लिए श्लोक 10 और 12 के बीच कौन सा श्लोक आता है? हाँ, श्लोक 11, जहाँ वह पवित्र आत्मा और आग में बपतिस्मा लेने की बात करता है। तो,

इस संदर्भ में, आग का तात्पर्य क्या है? इस संदर्भ में, इस संदर्भ में, इसे निर्णय का संदर्भ देना होगा। क्या सभी फरीसी पश्चाताप करते हैं? याद रखें, केवल वे पेड़ ही हैं जो पश्चाताप करते हैं और अच्छे फल लाते हैं जिन्हें आग में नहीं फेंका जाएगा।

और साथ ही, यूहन्ना गेहूँ और भूसी के बारे में भी बात करता है। खैर, जिन लोगों से वह बात करता है उनमें से कुछ गेहूँ और कुछ भूसी बनने जा रहे हैं। इसलिए, वह कई लोगों से बात कर रहे हैं।

वह लोगों के एक समूह से बात कर रहा है। वहां ग्रीक में आप बहुवचन है। इसलिए, जब जॉन भीड़ से बात कर रहा है, तो आप सभी को पवित्र आत्मा और आग में बपतिस्मा दिया जाएगा।

आपमें से कुछ लोग पवित्र आत्मा पाने जा रहे हैं। आपमें से कुछ लोगों को आग लगने वाली है। इसमें शब्दों का खेल हो सकता है क्योंकि आत्मा के लिए शब्द और हवा के लिए शब्द एक ही हैं।

यह हवा ही है जो भूसी को अलग करती है। लेकिन यह एक मुद्दा भी बनता है क्योंकि पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं ने उस समय, पुनर्स्थापना के वादा किए गए समय में वादा किया था, कि भगवान अपने लोगों पर अपनी आत्मा उण्डेलेंगे। आत्मा को पुराने नियम में भजन 51 और यशायाह 63 में दो बार पवित्र आत्मा कहा गया है।

लेकिन अक्सर ईश्वर की आत्मा को रुआच हाकोडेश कहा जाता था, प्रारंभिक यहूदी धर्म में पवित्र आत्मा। इसलिए, हम वास्तव में शायद उस तरह से आग में बपतिस्मा नहीं लेना चाहते जिस तरह से इस पाठ का अर्थ है। हां, हम पवित्र होना चाहते हैं, लेकिन शायद यह पाठ इस बारे में बात नहीं कर रहा है।

हम पवित्र आत्मा पाना चाहते हैं। और मैं गेहन्ना पर इनमें से कुछ विचारों का उल्लेख करना चाहता हूँ जिनके बारे में मैंने बात की थी। कुछ यहूदी लोगों का मानना है कि दुष्टों को तुरंत जला दिया जाएगा।

यह दुष्टों का तत्काल विनाश होगा। कुछ यहूदी लोगों का मानना था कि यह लगभग एक वर्ष के लिए अस्थायी सज़ा होगी। गैर-धर्मत्यागी इस्राएलियों के लिए, यह केवल एक वर्ष होगा।

कुछ का मानना है कि यह अनन्त पीड़ा होगी। खैर, गॉस्पेल में, जॉन और जीसस ने शापितों के पुनरुत्थान के लिए अपने समय की सबसे कठोर छवि उधार ली है। और अंदाज़ा लगाइए कि वे इसे सबसे अधिक बार किसे संबोधित करते हैं? जिन लोगों को अपनी आत्मसंतोष से मुक्ति पाने की सबसे ज्यादा जरूरत है।

और यीशु उन लोगों तक पहुँचते हैं जो ऐसा महसूस करते हैं, ओह, हम पापी हैं। भगवान हमें स्वीकार नहीं करेंगे. वह उन तक पहुंचता है.

लेकिन जो लोग ऐसे हैं, ओह, हम बहुत अच्छे हैं। हमें उस राज्य के इस शुभ समाचार की आवश्यकता नहीं है जिसका आप प्रचार कर रहे हैं। वह उन्हें आने वाले फैसले की चेतावनी देते हुए, उनकी आत्मसंतुष्टि से झकझोरता है।

लेकिन हमने यहां आने वाले जज की शक्तियों के बारे में भी पढ़ा। जॉन बैपटिस्ट, इसके बारे में बोलते हुए, पवित्र आत्मा और आग में बपतिस्मा देने जा रहा है। खैर, पुराने नियम के आलोक में, परमेश्वर की आत्मा को कौन उंडेलने वाला था? परमेश्वर की आत्मा को उण्डेलने का अधिकार किसके पास है? योएल अध्याय 2, यशायाह अध्याय 42, यशायाह अध्याय 44, यशायाह अध्याय 61, यहेजकेल 36, यहेजकेल 37, यहेजकेल 39।

एकमात्र व्यक्ति जो परमेश्वर की आत्मा दे सकता था, एकमात्र वह जो परमेश्वर की आत्मा को उंडेल सकता था, वह स्वयं परमेश्वर था। यदि जॉन किसी ऐसे व्यक्ति की घोषणा कर रहा है जो आ रहा है, जो पवित्र आत्मा और आग में बपतिस्मा देने वाला है, तो यह स्वयं भगवान होना चाहिए। किसी अन्य को ऐसा करने के लिए अधिकृत नहीं किया जा सकता।

और साथ ही, जॉन कहता है, मैं उसके सैंडलों से निपटने के योग्य नहीं हूँ। अब, प्राचीन समय में, रब्बियों के शिष्य कहते थे कि वे अपने शिक्षक के लिए कुछ भी करेंगे जो एक दास करता है, सिवाय पैरों और सैंडल के साथ व्यवहार करने के, क्योंकि यह बहुत अपमानजनक था। यह कुछ ऐसा था जो केवल एक दास ही कर सकता था, जैसे कि सैंडल पकड़ना, सैंडल उठाना इत्यादि, पैर धोना।

जॉन कहते हैं, मैं इस लायक भी नहीं हूँ कि उनकी सैंडल संभाल सकूँ। मैं तो उनका सेवक बनने के योग्य भी नहीं हूँ। याद रखें, भविष्यवक्ता यहोवा के सेवक थे।

पुराने नियम में भविष्यवक्ता परमेश्वर के सेवक थे। जॉन कह रहे हैं, ये तो बहुत बढ़िया है। यह स्वयं यहोवा है।

जॉन मानते हैं कि यीशु महान हैं और हमें भी इसे पहचानने के लिए आमंत्रित करते हैं, कि जिसकी हम पूजा करते हैं वह शक्तिशाली है। वह देहधारी परमेश्वर है और वह वास्तव में हमारी सारी प्रशंसा और हमारी आज्ञाकारिता का पात्र है।

यह मैथ्यू की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. क्रेग कीनर हैं। यह सत्र 5 है, मैथ्यू 2-3।